अहेतुल्ला लॉन्गिरोस्ट्रिस साँप

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के **दुधवा टाइगर रिज़र्व** में एक दुर्लभ साँप, **अहेतुल्ला लॉन्गिरोस्ट्रिस (लंबी थूथन वाला बेल साँप)** खोजा गया।

मुख्य बिंदु

- **साँप के बारे में:**
  - इसकी खोज दुधवा टाइगर रिज़र्व के पलिया डिवीजन में **गैंडों** के शिफ्टिंग अभियान के दौरान की गई थी।
  - इससे पहले यह साँप केवल बिहार के पश्चिमी चंपारण में **वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व** के जंगलों में पाया गया था।

- **विशेषताएँ:**
  - इसका शरीर लंबा, पतला और हरा या भूरा रंग का होता है, जो इसे अन्य साँपों से अलग करता है।
  - इसकी लंबी नाक (रोस्ट्रल) भी इसकी पहचान का एक प्रमुख संकेत है।
  - यह मुख्य रूप से पेड़ों पर रहता है और आसानी से शाखाओं तथा पत्तियों के बीच छिप सकता है।

- यह हल्का जहरीला होता है, जिसका जहर इंसान के लिये अधिक खतरनाक नहीं होता।

- परिवार: **कोलुब्रिडे**

दुधवा टाइगर रिज़र्व के बारे में

- यह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी ज़िले में **भारत-नेपाल** सीमा पर स्थित, उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में सबसे अच्छे प्राकृतिक जंगलों और घास के मैदानों का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह रिज़र्व अपनी समृद्ध जैवविविधता के लिये जाना जाता है, जिसमें **बंगाल टाइगर, भारतीय गैंडा,** दलदली हिरण, तेंदुआ और पक्षियों की कई प्रजातियाँ सहित विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ और जीव हैं।
- इस **तराई आर्क लैंडस्केप (TAL)** के अंतर्गत तीन महत्त्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं :
  - दुधवा राष्ट्रीय उद्यान
  - किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य
  - **कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य**
- तीनों संरक्षित क्षेत्रों को राज्य में रॉयल बंगाल टाइगर के अंतिम व्यवहार्य घर होने के नाते **प्रोजेक्ट टाइगर (Project Tiger)** के तहत दुधवा टाइगर रिज़र्व के रूप में संयुक्त रूप से गठित किया गया है।
- दुधवा नेशनल पार्क और किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य को वर्ष 1987 में तथा कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य को वर्ष 2000 में दुधवा टाइगर रिज़र्व में शामिल किया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ahaetulla-longirostris-snake